

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II--खण्ड 3--उपखण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं 313

नर्रं विल्ली सनिजार, ध्रवट्यर 1, 1977/ध्रादिवन 9, 1899

No. 313]

NEW DELHI, SATURDAY, OCTOBER 1, 1977/ASVINA 9, 1899

इस भाग में भिन्न पष्ठ संख्या दी जाती हैं जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सबै।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

NOTIFICATION

CUSTOMS

New Delhi, the 1st October 1977

G.S.R 628(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the Department of Revenue and Banking No 333-Customs, dated the 2nd August, 1976, namely—

In the said notification, for the provisos, the following shall be substituted, namely:—

'Explanation —In this notification, "finished leather of goat, sheep and bovine animals and of their young ones" means the leather which satisfies the standard specified for such finished leather by the Indian Standards Institution in IS 8170—1977, for the time being in force'

[No 210/F No 356/1/77-Cus I]
M JAYARAMAN, Under Secy.

दिस मंत्रासय

(राजस्य विभाग)

ग्रधिसूचना

सीमा-शुल्क

नई विल्ली, 1 भ्र∓तूबर, 1977

सावकाविक 628(म) — केन्द्रीय सरकार, सीमा-शुल्क प्रधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए ग्रपना यह समाधान हो जाने पर कि ऐमा करना लोकहिन मे ग्रावश्यक है, भारत सरकार के विक्त मंज्ञालय की ग्रिधसूचना सब 333—सीमा-शुल्क, तारीख 2 ग्रगम्त, 1976 में निम्नलिखिन संशोधन ग्रीर करनी है, ग्रथित् —

उत्त अधिपूर्वता में, परन्तुरु के स्थात पर निस्तिवित रखा जाएगा, अधित :--

'स्रब्दीकरण - -इस ग्रह्मित्वना में ''वकरियो, भेडो ग्रौर ृंगोजातीय पशु ग्रौर उनके बच्चो के तैयार चर्ष'' में ऐसा तैयार चर्म ग्राभिन्नेत है, जो भारतीय मानक संस्थान द्वारा तत्समय प्रवृत्त भा०मा० 8170---1977 में बिनिर्दिष्ट मानक के ग्रन्सार हो।'

> ृ[स॰ 210 फा॰ म॰ 356, 1 77-सी॰ गु॰ I] _एम॰ जयरामन, श्रवर सचिव ।